पाठ - 3

पैखाना, पिशाब करने का तरीक़ा

الدرس الثالث - هندي

آداب قضاء الحاجة

शौच जाते समय इन बातों का ख़्याल रखना चाहिए।

1. शौचालय में प्रवेश करते समय पहले बायां पैर अन्दर रखें और ये दुआ पढ़ें:

بِسْمِ اللهِ اللَّهُمَّ إِنِّي أَعُوذُ بِكَ مِنَ الْخُبُثِ وَالْخَبَائِثِ

बिस्मील्लाह अल्लाहुम्म इन्नी अउज़ुबिक मिनलखुब्सी वलखबाइस,

यानी, ''ऐ मेरे अल्लाह! मैं ख़बीस जिन्नातों और ख़बीस चूड़ैलों से तेरी पनाह मांगता हूं

और शौचालय से निकलते समय غُفْرَانَكَ ''गुफरानक'' कहते हुये पहले दायां पैर बाहर निकालें।

2. अपने साथ कोई ऐसी चीज़ न ले जाएं जिसमें अल्लाह के नाम का उल्लेख हो। केवल उस स्थिति में ले जा सकते हैं यदि उसके खो जाने का भय हो।

3. खुले में शौच करते समय इस बात का ख्याल रखें कि क़िब्ले का रुख़ न हो और उसकी ओर पीठ करके भी न बैठें। अलबत्ता पाखाना में किब्ला की ओर पीठ करके बैठने की इजाज़त है,

4. लोगों से शर्मगाह को ढकना और उसमें कोताही न बरतना। मर्द के लिए छुपाने की जगह घुटना से लेकर ढोरी (नाफ़) तक है जबकि औरत सरापा छुपाने का सामान है

5. शरीर में पेशाब या पाखाना लगने से बचना चाहिए।

6. शौच के बाद पानी, या पत्थर आदि से सफ़ाई कर लेनी चाहिए। सफ़ाई के लिए बायें हाथ का इस्तेमाल करना चाहिए